B.M.A COLLEGE , BAHERI,DARBHANGA
(A CONSTITUENT UNIT OF LNMU)
BA DEGREE-1
HISTORY HONS.
PAPER-2
UNIT-1(IV)
DEPARTMENT OF HISTORY
PANKAJ KUMAR MISHRA
DATE-06/11/2020

TOPIC-INDUSTRIAL REVOLUTION-REVISIONARY

(औद्योगिक क्रांति- पुनरावृत्ति)

औद्योगिक क्रांति वस्तुओं के उत्पादन की आर्थिक प्रक्रियाओं में तकनीकी नवाचारों द्वारा समर्थित एक क्रांति थी। यह क्रांति पहली बार 1750 के दशक में इंग्लैंड में प्रारम्भ हुई थी।

इंग्लैंड में हुई औद्योगिक क्रांति के लिए उत्तरदायी प्रमुख कारक निम्नलिखित थे:

इंग्लैंड की भौगोलिक अवस्थिति:

- **एक द्वीपीय राष्ट्र होने के कारण इंग्लैंड के पास शेष यूरोप के विपरीत किसी भी दिशा से होने वाले आक्रमण से सुरक्षा करने हेतु प्राकृतिक अवरोध विद्यमान था। इस प्रकार इसकी भौगोलिक अवस्थिति ने नवाचार, व्यापार और समृद्धि हेतु आवश्यक पर्याप्त शांतिपूर्ण परिस्थितियां प्रदान की।**
- **ब्रिटेन के पास बेहतर प्राकृतिक बंदरगाह विद्यमान थे, जिसने समुद्री पत्तनों के विकास को सुगम बनाया जो कच्चे माल और तैयार माल के परिवहन की सुविधा प्रदान करते थे।**
- **इसके पास सुगम परिवहन प्रदान करते वाली नौवहन योग्य नदियों का एक बेहतर नेटवर्क विद्यमान था।**
- **इंग्लैंड में भौगोलिक दृष्टि से अनुकूलतः अवस्थित कोयले और लौह के निक्षेप थे जो एक दूसरे के काफी निकट अवस्थित थे।**

इंग्लैंड में राजनीतिक परिवर्तन:

- आक्रमणों के विरुद्ध सुरक्षा ने यूरोप के अन्य हिस्सों के शासकों की तुलना में इंग्लैंड के शासकों को अपेक्षाकृत अधिक लोकतांत्रिक बना दिया था।
- 1688 की गौरवशाली क्रांति (रक्तहीन क्रांति) ने इंग्लैंड में लोकतंत्र को बढ़ावा दिया और साथ ही उत्पादन के तरीकों को भी विकेंद्रीकृत किया।

इंग्लैंड में सामाजिक परिवर्तन:

- ग्रामीणों को कारखाना श्रमिकों के रूप में कस्बों की ओर प्रवासन की अधिक स्वायत्तता प्राप्त हुई।
- तर्कों पर केन्द्रित पुनर्जागरण और सुधार आंदोलनों ने उन लोगों को पूर्व में ही प्रभावित कर दिया था जो नवीन विचारों की खोज हेतु प्रयास कर रहे थे।

आर्थिक कारण:

- उपर्युक्त कारणों के परिणामस्वरूप इंग्लैंड में व्यापार अधिशेष की स्थिति उत्पन्न हुई और इस प्रकार वैज्ञानिक नवाचार में निवेश हेतु पर्याप्त पूंजी प्राप्त हुई।
- भाप के इंजन, रेल, सड़क अवसंरचना इत्यादि की उन्नति के फलस्वरूप वस्तुओं के उत्पादन को बढ़ावा मिला।